

1486

1324

वर्षायत्तन. नमः शिवाय

1212

卷之八

वर्षा

ॐ नमः॥ श्रीचिनेश्वरगरेभ्यः सर्वसम्यक्तेषु देभ्यः॥ ॥ एवं मया श्रुतमेकस्मिन्ना
मरा भगवान्मन्यो यनन्द गागराजा. भवने विहरति स्म॥ श्रीमणि रत्नगर्भे म
हामेघमराडै म हा कुतागारे. महताभिधुसंघेन. साईं महताचवोधिसत्त्वसंघेन
साईं महताच नागराजा गनेरा साईं॥ तथैवा॥ नन्दे न च नागराजा॥ रुयने न
च नागराजेन॥ सागरे न च नागराजेन॥ अनवतप्रेन च नागराजेन॥ मनसि नाच

१
पन्

नागराजेन॥ यत्नेन च नागराजेन॥ तक्षकेन च नागराजेन॥ क्षतराश्वेण च
नागराजेन॥ वासुकिना च नागराजेन॥ मूर्धिरिन्द्रेण नागराजेन॥ ऐरावतेन च
नागराजेन॥ नुर्वीयुमुषेण नागराजा पूर्वैर्गमैश्च तृतीयेनागकोटिनियूतशत
सहस्रैः सहस्रनियतितः संनिवर्तते न च लुप्यते न समयेन सर्वे ते नागराजाः॥
सपरिवार उद्धायासनेभ्यश्च कासा नुत्तरासंगानि कल्पादक्षिणाणि जा नुमगद

वर्षा

लानिपृथिव्यामृतिस्थायैरेतन्मगगन्तेनीमलिकत्वायुमेयासम्यैः पञ्चमः
विविधरुचिरैः पूषावृषगन्धमात्यविलेपनैश्चरुण्डिनीवरव्रतध्वजयताकायद
दामवायतुर्यातादायंचरैः सङ्गीतिरत्नकुसुमरत्नयतुदाममुकुताहारनागाग
पुष्पमुक्ताजालैर्जोतो गुदगुदो यत्नेमहीर्षुचारयन्तो महानादं नदनोरमली
याचधर्मेशादनदनः॥ महागुहगौरवयविचित्राकारेन भगवन्ममभिच्छादयन्

२
यन्

यन्तः प्रदक्षीनी कृत्यैकान्तस्युः॥ नृकान्तस्थित्या पुनिधानानि कुर्वन्ति स्मः महाम
णोत्भवमहामेघनिर्गोदविह्वलमितसुरकेतुनामधारणी सर्वबुद्धभाषिताधि
स्थिता अनुमोदिता सर्वसत्त्वमर्थायहितायैशुषाययन्॥ याजनाहस्तौ वर्षयेति
ः अतिमस्तिधरजतीः सरनकाकारैः पुशमयन्ति॥ सर्वगागान्सी चोदयतिः सर्वदे
वान्युद्गादयति॥ सर्वमार्गविधीमयतिः सर्वसत्त्वसर्वशुषशमयिता करोति॥ तदे

वर्ष

था॥ महाज्ञानावभासनिश्चिन्तेजोलक्ष्मीदृढविक्रमवज्रसहतनेयरमचिरजनि
र्मलगुनकेतुसुर्ययुभेविमल्लयस्थि॥ भरभरः सम्भरसम्भरः दुःखेः हनहनः
महाप्रभेविधूतमहामोहान्धकोरे॥ युताभाशुद्धयारिपुन्येमेत्रेमेत्रविमरमनत्क
न्धमेत्रासुधरेः॥ ॥ जलजरजलजर॥ ॥ जगन्मुधलेः गोर्धगकुसुमेदसवलेच
तुरैवैशारदशुलादशोवेनिकायुद्धधर्मेशुभमतिपुन्यरागि॥ शुक्रधर्मसमन्विते

३
यन्

गम्भीरेविजयेस्केवियूरेविशेषयुगेनिशधर्मः सर्वलोकजस्तत्रेस्तवरेयवरे॥ शु
नुत्तरेअसंगेः धरधरः ठिरधिरिः धूतधूतः शान्तमेतेशान्तयोये॥ चचचचः वि
चिविचिः चूचूचूः परमबुद्धानुमतेमहाप्रज्ञायारमितेत्याहा॥ ॐ नमोभगवते
ज्ञानसागरैशेचनयतथागताय॥ ॥ ॐ नमः सर्वबुद्धकोटिसत्त्वैभ्यः॥ ॥
अथात॥ सर्वनागानावर्तईध्यामि ईहमुदीयेयुवधियाययंचवर्षान्नकरायकसः

वर्ष

किं या वि त्क म्भ यि ष्या मि ॥ सर्व बुद्ध वेधि सत्त्व सत्य तेन ॥ संयथे दं ॥ सर सरः शिरिः
शिरिः सुत सुतः नागानी ॥ जव जवः जि वि जि विः जु बु जु बुः महा ना गा आ ग ता ॥
बुध स ते न ई ह ज म्बु दी ये पु व र्ष धी ॥ चर चरः चिरि चिरिः वु रु वु रुः महा ना गा धि
यति नी आ ग ह्थः भो भो महा ना गा बुद्ध स ते न ई ह ज म्बु दी ये पु व र्ष धी ॥ चर चरः
चिरि चिरिः वु रु वु रुः बुद्ध स ते न ध र्मे स ते न सं घ स ते न सर्व ना गा नी वा ह ई ष्या

४
पन्

मि ॥ मैत्र चि ने न क रु णा चि ने न उ पे क्षा चि ने न ॥ सर्व बुद्ध वेधि सत्त्वा धि स्थान
स ते न महा या ना भ्र य णा ग ह्थः महा ना गा धि य त येः स्म र थ बु धा नी बु धा नी बु
द्ध र्मा णी वे धि स त्व गु ना णी ॥ भर भरः भिरि भिरिः भु रु भु रुः महा ज ला म्बु मे घ
वारि धा र ने महा भु ज गा य रि क र मै त्र चि ने ना ग ह्थ त स्म र त व र णा स नी का मी त्र
घ ट र धि ति धि तिः घु तु घु तुः उ ग्ग क्रो ध महा वे ग लो स जि ह्वा महा वि षा ॥ आ ग ह्थ

वर्षे

मेत्रीचिन्नायुवर्षधर्ईहजमुदीयेसर्वतथागतसतेनस्याहा॥तततत.तितितिति.५
तुतुतुतु.महामनिमकुतमौलिधराश्रीविद्यारुपिगा॥स्मरतत्रिरत्नाधिस्था
नंवजुधरसतेनवर्षतईहजमुदीयेस्याहा॥कलकल.किलिकिलि.कुरुकुरु
महोदकेवाशिनः॥महामुकुतयाताभियायिनः॥आगच्छथमैत्रचिन्नानह
हजमुदीयेवर्षधाराउत्तुजततथागतसतेनतथागताधिस्थानेनवजुयानि

प
यन

गज्ञानयेति॥रलरल.रिलिरिलि.रुलुरुलु.विगतसिद्धवन्तः॥सर्वभुजीगादित्राथ
तथागतसतेन॥शमशम.शिमिशिमि.शुमुशुमु.स्वाहा॥आवाह्यामिसर्वनागान्मैत्र
चिनेन.वेधिविनेन.यूवेनामेन.नरनर.निरिनिरि.नुरुनुरु.स्वाहा॥विकतना
नाविकृतशीर्षरक्षारक्षमहावल्यान्महामहोरगानीआवाह्यामि॥भोभोमहामु
जंगास्मरतपरमकारुनिकाणीसर्वयुन्यतेजस्केजितानीविगतकेशानीतथाग

वर्षा

नो नो नामाधिस्था नो ॥ ग द ग द. गिदि मिदि. गुदु गुदुः स्वाहा ॥ महानागा अयुतिर
न वर्य परा कमा. ते जो ध वा. वर्ष धरा. पुर्व ध ते ह जम्बु दीये ॥ अर शर. मिरि मिरि. शु
रु रुः स्वाहा ॥ भो भो महानागा. स्वकुल गोत्र म नु र म नु स्म र त व र्ष धारा उक्त ज
त सर्व देव सत्ताधिस्थाने नम हा विन म्ब त स्वाहा ॥ वस्म सत्ताधिस्थाने न. पु व
र्ष ते ह जम्बु दीये स्वाहा ॥ श क स ते न पु व र्ष ते ह म हा ना गा ई ह जम्बु दीये स्वाहा ॥

द
पन्

चतुर्मेहाराज स ते न पु व र्ष ते ह जम्बु दीये स्वाहा ॥ अस्त महानागा स ते न पु व र्ष
ते ह म हा ना गा ई ह जम्बु दीये स्वाहा ॥ महानागा वर्ष त ओ ता य न्न स ते ह जम्बु दी
ये स्वाहा ॥ वर्ष त महानागाः स क्क दा मि स ते न ह जम्बु दीये स्वाहा ॥ वर्ष त महाना
गा भु ना गा मि स ते ने. ह जम्बु दीये स्वाहा ॥ वर्ष त महानागा अ ह त्से ते ने. ह जम्बु
दीये स्वाहा ॥ वर्ष त महानागा. पु ते क बु द्ध स ते ने. ह जम्बु दीये स्वाहा ॥ वर्ष त महा

वर्ष

नागा. सर्व बुद्ध बोधि सत्य. सतेने हज म्बु द्वि ये स्वाहा ॥ वर्षे तम हा ना गाः सर्व त
था गता नी स त्या धि त्या ने. ने हज म्बु द्वि ये स्वाहा ॥ सर्व दे वा नी स ते न स म ये न स
वै य द्र वा नि ज म्बु द्वि ये स्वाहा ॥ सर्व ना गा नी स ते. पु र्व र्ष ते हज म्बु. महा यु धि वी ६
स्वाहा ॥ सर्व य क्षा नी स ते न र क्ष त सर्व स त्या न् स्वाहा ॥ सर्व ग न्ध र्वा णी स ते ना य
ह र त सर्वा णा सो य द्र वा नि स न्नु ष्ठा नी स्वाहा ॥ सर्वा सु र नी स ते न रि षि

यत्न

सर्वविषम नक्षत्रानि स्याहा॥ सर्वगहृदा नीसते न मैत्री कुरुत. सर्वः
नागा नी यदि हजमुदीये महा वर्षधार उल्मृजेयुः स्याहा॥ सर्वकिन्नरा
नीसते न समयतया ययुक्ता दयत सर्व सत्वान स्याहा॥ सर्वमहोरगानीः
सते न विपुलविस्तीर्णो वर्षधार उल्मृजगतये च वषाचर नानि स्याहा॥
सर्वमनुष्या नीसते न यरिपाल यतत. सर्वमनुष्या न स्याहा॥ करकर. किरि

वर्षा

किरि. कुरु कुरु. दर दर. दिरि दिरि. इरु इरु. नट नट. निट निट. नुतु नु
तु. सुशी घु गहि नीम हा मेघा. वुधर मेघ मे. घम हा मेघ खरे स्वा हा ॥ महा मेघो
घाति ते मे घ स भवे का लं मे घ. मेघा कारे मे घ गर्जय. मेघो आ वि ते. मे घ मो लि
ने मे घ मा ला धरे. मे घ वि भू षे ने. मे घ ति नि. मे घ गर्भ ज ते. मे घ यु भे. मे घ परि
वारे वि यु ल मे घा कू यि ते ॥ मे घ ज जो य वी ते स तो जा य स ह ने ॥ गिरि क न न्द

ह
पम्

र न वा ति नि. ना ग मो ते भ ग व ति. महा मे घे. श्री म ज्यो ती र स सी शी ख्य श महा वा त
मण्ड ली गो च रे. ॥ महा ना ग वि क्री दि ते भ ग व ति पा रो ड पु त्र सा ये न धा र नि यु
ध स ते ने रु ज म्बु धी ये स्वा हा ॥ घर घर. घिरि घिरि. घु रु घु रु. घिरि नि घिरि नि. घु
म घु मः घु म न सिं धे महा मे घ मा र नि विं यु क्ता क रा य मा लि स र्व भू जी ग धा र नि
मे घ य द व स्त्र धा र नि. स र्व वि शा य शो च रे मे घ व्यु ह वा हि नि. गर्ज निः नि ना य

वर्षा

नि. नदि ते हे भगवति नाग. गन सं चादि ते चोद ये देवि महा मे घमारि नि
विशु ज्वा ला क ला प मा लि नि त था ग त स ते न. सर्व ना गा वर्ष ते मा वि र्ण य ते रु ज
बु धी ये स्वा हा ॥ ये ल य ल. ई लि ई लि. यु लु यु लु. ज ल ज ल. जि लि जि रि. जू ल जू ल
स ल स ल. मि लि मि लि. मु लु मु लु. सर सर. स शर स शर. गु ड गु ड. गु द ये गु द ये
ग द ग द. गि दि गि दि. हर हर. हि रि हि रि. मु रु मु रु. तर तर. ति रि ति रि. तु रु

घन

पिं ग ले चं च ले ॥ लो ल जि रे म हा फ रा करे का ल या शे रौ द वा ति नि डु ड मे घो रा
घो न. शि धि नि ॥ क न क न. ग रा ग रा. म हा ना ग. ग ने ॥ य र य र. पि रि पि रि. यु रु यु
रु. वि स्फु र्ज न. तु रु तु रु. म हा भो गे म नि ध रि. फा रि फा रि. फु लु फु लु. फ र फ र
व र्ष ज रा म्बु ध ले. ज म्बु ज म्बु. व रा रु के ॥ न त न त. डु ड मे ॥ धू धू धू. मे घ पु मे ॥ मे
घ वा हि नि ॥ ट क ट क. टू टू मे. घ न घ न. सि धि सि धि नि ॥ क न क न. ग रा ग

वर्ष

गंगाः महा नगगनेतिरात्रा न्युयजर कारी महा नाग हृदये ॥ पुन पुन पुन पुन
यः पुमाययः लोक जागलि भुजंगमे विकत घोर रूप चित्पुं जंन वि कम्भने
आवाहयामि ॥ सर्व नागानी सर्व बुद्ध भाषित्वा नेन सर्व शुधत. तथागत सतेन
पुर्ववते हज मुदी पे स्वाहा ॥ ॐ ॥ नमः सर्व बुद्धेभ्यः विष्णवे नमः नृपरा
निमे स्वाहा ॥ ० ॥ ॥ आर्य श्री महा मे धनि न्ना द वि कम्भित सुर

१२
पत्र

वर्ष

केतु नामधारनी सर्व बुद्ध भाषित्वा समाया ॥ ॐ ॥ ये धर्मा ॥ ॐ ॥
शुभ समस्त तु ॥ ॐ ॥ नृप जेय यदि १२ रे ज प सं धी रा के र मुर ठे म. जोन
हर न भट्ट नेति वि स्वा शुभ ॥ ॥ इति शुधं वा असुधं वा सम नो बो नाव
यते ॥ ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

१२
पत्र

वर्षा

१३
पत्र

आशा शरद्वार्ध

1.498

ASHA ARCHIVES